



Literacy for a Billion

Movie: Chor Machaye Shor (1974)

Year: 1974

ले जाएँगे ले जाएँगे
दिलवाले दुल्हनिया
ले जाएँगे

ले जाएँगे ले जाएँगे
दिलवाले दुल्हनिया
ले जाएँगे

ओ ले जाएँगे ले जाएँगे
दिलवाले दुल्हनिया
ले जाएँगे

अरे रह जाएँगे रह जाएँगे
पैसेवाले
देखते रह जाएँगे

अजी रह जाएँगे रह जाएँगे
पैसेवाले
देखते रह जाएँगे

ले जाएँगे ले जाएँगे
दिलवाले दुल्हनिया
ले जाएँगे

तुम हो कली तो
गुलाब हम हैं
तो गुलाब हम हैं
ओ ...
होंठों से लगा लो

Song: Le Jaayenge Le Jaayenge

Lyricist: Indrajeet Singh Tulsi

तो शराब हम हैं
शराब हम हैं

कहते हैं लोग
के खराब हम हैं
तेरी हर बात का
जवाब हम हैं
लाजवाब हम हैं

ओ हो हो हो
अपने दो हाथों से
कमाया हुआ खाने वाले
हक़ न पराया कभी खाएँगे
ससुर जी

ले जाएँगे ले जाएँगे
तेरी सोन मछरिया
ले जाएँगे

ले जाएँगे ले जाएँगे
दिलवाले दुल्हनिया
ले जाएँगे

मैं भी तेरे साथ हूँ
दिल भी तेरे साथ
सजना दिल भी तेरे साथ
हो ... चाहे जब आजा चन्ना
लेके बारात
चेटी चेटी आजा



Literacy for a Billion

चन्ना लेके बारात
चेटी चेटी आज
चन्ना लेके बारात

हो ...
मेरे पास कोठी है
न कार सजनी
ना कार सजनी
कड़का है तेरा
दिलदार सजनी
ओ दिलदार सजनी

कोठी बंगला न मुझे
कार चाहिए
दिल चाहिए
दिलदार चाहिए
ओ दिलदार चाहिए

ओ हो हो ...
चल फिर चलिए
सोणिए नि बलिए
दिल की ही दुनिया बसाएँगे
ओ बुलबुल

ले जाएँगे
हाँ
ले जाएँगे
तेरे बाग की बुलबुल
ले जाएँगे

ले जाएँगे ले जाएँगे

दिलवाले दुल्हनिया
ले जाएँगे

दर पे खड़े हैं
कल्याण कर दो
कल्याण कर दो
ओ काम कोई
एक तो महान कर दो
ओ महान कर दो
खर्चा दहेज का भी
बच जाएगा
लगे हाथों कन्या का
दान कर दो
कन्यादान कर दो
ओ हो हो ...

कभी कभी तेरे घर
तीर्थ समझकर
दर्शन को हम आएँगे ससुर जी
ले जाएँगे ले जाएँगे
तेरी बाँकी हिरनिया
ले जाएँगे

ले जाएँगे ले जाएँगे
दिलवाले दुल्हनिया
ले जाएँगे

अजी रह जाएँगे रह जाएँगे
पैसे वाले
देखते रह जाएँगे
ले जाएँगे ले जाएँगे



Literacy for a Billion

दिलवाले दुल्हनिया
ले जाएँगे
ले जाएँगे ले जाएँगे

दिलवाले दुल्हनिया
ले जाएँगे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.